



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकरण से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 8, 1990/पोष 18, 1911

No. 10]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 8, 1990/PAUSA 18, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

**पर्यावरण और वन संरक्षण**  
(पर्यावरण, वन और वन्य प्राणी विभाग)  
प्रधिशूचना

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1990

का. आ. 12 (अ) — केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) का धारा 25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (i) इन नियमों का संक्षेप नाम पर्यावरण (संरक्षण) संशोधन नियम, 1990 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन का तत्पश्चात् प्रवृत्त होंगे।

2. पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 का अनुसूची 1 में, —

(क) क्रम सं० 15 के समस्त सारणों में, —

(1) न्वंभ 4 के तंत्र प्रविष्टि के स्थान पर, "रंग और गंध" प्रविष्टि के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"यथा साध्य रंग और अंगुचक गंध को दूर करने के लिए सभा प्रदाय किए जाने चाहिये";

(2) "भूमि पर व्यय" में संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अन्तर्भावित की जाएंगी, अर्थात्:—

3

4

"—\*भूमि को दिनांक अभिक्रियान्वयन . . . "500" . . . पद्धति के रूप में प्रयोग करते भूमि पर व्यय"

(3) \*टिप्पण को "टिप्पण (i)" के रूप में संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार संख्यांकित \*टिप्पण (1) के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण जोड़े जाएंगे, अर्थात्:—

\*टिप्पण : (2) 500 मिलाग्राम/सेंटीमीटर केवल उन देशों में अनुमत है जहाँ ये देशों के और हटाए जाने के लिए दिनांक अभिक्रियान्वयन पद्धति के रूप में भूमि का अनुप्रयोग परिकल्पित है। यह ध्यान रखता होगा कि मृदा और फसल के अभिव्यक्तियों को ध्यान में रखते हुए इस प्रयोजन के लिए निश्चित और समुचित रूप से डिजाइन की गई भूमि अभिक्रियान्वयन पद्धति को आनाता होगा। इस पद्धति को अपनाते में पूर्व संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अनुमोदन आवश्यक है।

(3) टिप्पण (2) में वर्णित दिनांक अभिक्रियान्वयन पद्धति के पश्चात् भूमि में अभिक्रियान्वयन जल को आ. प्रो. आ. को 30 मिलाग्राम/

लीटर और "एल" के रूप में अभिव्यक्त नाइट्रेट का 10 मिलीग्राम/लीटर का सीमा का लुप्टि करना होता है। अधोगत जल का गुणवत्ता में कुछ परिवर्तन में 3 मिलीग्राम/लीटर से अधिक बी ओ डी और "एल" के रूप में अभिव्यक्त 10 मिलीग्राम/लीटर से अधिक नाइट्रेट नहीं होना चाहिए।

(4) यह और अनुबंधित किया गया है कि बी ओ डी स्तर द्वितीयक अभिक्रियास्वयन पद्धति के रूप में भूमि अनुप्रयोग के लिए 700 मिलीग्राम/लीटर तक बढ़ाया जा सकेगा जिसके लिए हाइड्रॉलिक भार और अन्य मुदा अभिलक्षणों पर विचार करना होगा, यदि संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वाट और निश्चितिक को नियमित और सतर्कतापूर्ण रूप से मॉनिटर करने से सन्तुष्ट हो जाता है कि 500 मिलीग्राम/लीटर से अधिक बी ओ डी स्तर बहिःसावों में अनुमत किया जा सकता है।

(5) जहां टिप्पण (2) और (4) में निर्दिष्ट अभिक्रियास्वयन बहिःसावों में अधिक बी ओ डी का अभिक्रिया करने हुए द्वितीयक अभिक्रियास्वयन पद्धति के रूप में भूमि का अनुप्रयोग प्रस्तावित जाना है, वहां परेशा अपशिष्ट को बहिःसावों से आबलि किया जाना चाहिए या भूमि अभिक्रियास्वयन के लिए उनके उपयोग से पूर्व विसंग्रामण को उसका प्राण होना चाहिए।

(6) बी ओ डी का 500 मिलीग्राम/लीटर 30 जून, 1990 से लागू होगा। भूमि पर बहिःसावों के स्वरूप के लिए बी ओ डी 1000 मिलीग्राम/लीटर का अधिकतम सीमा तक 29 जून, 1990 तक अनुमत किया जाएगा।

(7) निम्न शासकियों का दशा में जिनके विरुद्ध पहले अधिसूचित मानकों के आधार पर विधि न्यायालयों में मामले मौजित हैं और जो इन विधि न्यायालयों में से किसी के द्वारा पारित किसी आदेश से संगत हैं पर्यावरण (संग्रहण) संगोपन नियम, 1990 में विनिर्दिष्ट मानक लागू नहीं होंगे।

[सं. कृ. 15013/2/89-सो. पो. डक्यू.]

जी. गुप्तरम्, संयुक्त सचिव

मूल नियम का, आ. सं. 844 (अ), तारीख 19-11-1986 द्वारा प्रकाशित किए गए। संशोधनकारी नियम का, आ. 82 (अ) तारीख 16-2-1987, का. आ. 393 (अ) तारीख 16-4-87, का. आ. 443 (अ), तारीख 28-4-1987, का. आ. 64 (अ), तारीख 18-1-1988, का. आ. नि. 919 (अ) तारीख 12-9-1988, का. आ. 8 (अ) तारीख 3-1-1989 और का. आ. नि. 913 (अ), तारीख 24-10-1989 द्वारा प्रकाशित किए गए।

## MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

(Department of Environment, Forests & Wildlife)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 8th January, 1990

S.O. 12(E).—In exercise of the powers conferred by section 25 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Environment (Protection) Rules, 1986, namely :—

1. (i) These rules may be called the Environment (Protection) Amendment Rules, 1990.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Schedule I to the Environment (Protection) Rules, 1986 :—

(a) in the table against serial number 15 :—

(1) for the entry under the column 4, against the entry "Colour and Odour" the following entry shall be substituted namely :—

"All efforts should be made to remove colour and unpleasant odour as far as practicable";

(2) after the entries relating to "disposal on land", the following entries shall be inserted, namely :—

3	4
"** disposal on land using it as a secondary treatment system"	"500";

(3) the \*note shall be numbered as "\*\*note (1)" and after \*note (1), as so numbered, the following notes shall be added, namely :

"\*\*Notes : (2) This limit of 500 mg/l is entitled only in case land application is envisaged as a secondary treatment system for further removal of BOD. It is to be noted that controlled and properly designed land treatment system has to be adopted for this purpose, taking into account soil and crop characteristics. Approval of the concerned State Pollution Control Board is necessary prior to adopting this system.

(3) The drainage water from the land after the secondary treatment system, as mentioned in the note (2), has to satisfy a limit of 30mg/l of BOD and 10 mg/l of nitrate, expressed as 'N'. The net addition to the groundwater quality should not have a BOD more than 3 mg/l and nitrate, expressed as 'N' more than 10 mg/l.

(4) It has been further stipulated that the BOD level may be raised upto 700 mg/l for land application as a secondary treatment system, considering hydraulic loading and other soil characteristics, if regular and careful monitoring of run-off and leachate satisfies the concerned State Pollution Control Board that the BOD level higher than 500 mg/l can be allowed in the effluent.

(5) Where land application as a secondary treatment system is adopted implying higher BOD in the treated effluent, referred to in notes (2) and (4), domestic waste should be excluded from the effluent or disinfection should form a part of the treatment prior to application of the same for land treatment.

(6) The 500 mg/l of BOD shall be applicable with effect from the 30th June, 1990. The BOD for disposal of effluent on land shall be permitted upto the upper limit of 100 mg/l till the 29th June, 1990.

(7) In case of distilleries against which cases are pending in courts of law on the basis of standards notified earlier and are consistent with any orders passed by any of these courts of law, the standards

specified in the Environment (Protection) Amendment Rules, 1990, shall not be applicable".

[No. Q. 15013/2/89-C PW]

G. SUNDARAM, Jt. Secy.

Principal rules published vide S.O. No. 844(E), dated the 19th November, 1986. Amending rules published vide S.O. 82 (E) dated the 16th February, 1987; S.O. 393 (E), dated 16th April, 1987; S.O. 343 (E), dated the 28th April, 1987; S.O. 64 (E), dated the 18th January, 1988; G.S.R. 919 (E), dated the 12th September 1988; S.O. 8 (E), dated the 3rd January, 1989 and G.S.R. 913 (E), dated 21st October, 1989.

